INDIAN FEDERATION OF WORKING JOURNALISTS

(Founded on 28 October 1950 at Jantar Mantar in New Delhi and registered as trade union: 1992)

C-48, Manas Apartment, Mayur Vihar, Phase-1, Delhi -110091

President's address: 7 Gulistan Colony, Bandariabagh, Lucknow-226001, U.P., Phones: Res.:- 0522-2238823/2235466

IFWJ Mob.: +91 94150-00909 / +91 9818627033

E-mail : ifwj.media@gmail.com **Website : www.ifwj.in**

President : **K. Vikram Rao**
*Offg.Secy.*General: **Vipin Dhuliya**
Vice President : **Gopal Mishra**
Treasurer : **R.P. Yadav**

Dated : 6th October 2018

Circ. No. 5/2018/IFWJ Election/Delhi

IFWJ वर्किंग कमिटी का पटना सम्मेलन अत्यंत कारगर रहा

पत्रकारों का राष्ट्रीय रजिस्टर बने

असली बनाम नकली का भेद पता चले

ध्यानार्थ: समस्त वर्किंग कमेटी सदस्यों, राष्ट्रीय पार्षदों, प्रदेश अध्यक्षों और महासचिवों तथा विशेष आमंत्रितों हेतु.

प्रिय **साथियों**

फर्जी पत्रकारों के सैलाब को रोकने के लिये और हमारी आदर्श वृत्ति तथा व्रत की मर्यादा को पुर्नप्रतिष्ठित करने हेतु, आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के पटना (बिहार) में 13-16 सितम्बर 2018 के दिन राष्ट्रीय कार्यसमिति के 130वें अधिवेशन में कई महत्वपूर्ण कदम सुझाये गये। साथी **के. विक्रम राव** की अध्यक्षता में हुई बैठक में, भारत के 33 में से 27 प्रदेशों से आये 310 प्रतिनिधियों ने एक स्वर से मांग की कि देश भर के श्रमजीवी पत्रकारों का एक राष्ट्रीय रजिस्टर बनाया जाए। इसमें हर कार्यरत पत्रकार की विस्तृत जानकारी दर्ज हों। बार काउंसिल, मेडिकल काउंसिल तथा अध्यापक परिषद् की भांति पत्रकारों का भी राष्ट्रव्यापी विवरण कंप्यूटर में उपलब्ध हो और शासकीय रजिस्टर में अंकित हों। गलतबयानी दण्डनीय अपराध हो, ताकि मीडिया की ओट में छिपे कारोबारियों से मुक्ति मिले | लिखने-पढ़ने से जिनका तनिक भी सरोकार न हो, उन्हें हकाला जा सके | अन्य पेशों में लिप्त व्यक्ति पत्रकारिता जैसे पावन धर्म को कलंकित न कर सके | साथ ही आयकर विभाग भी इन श्रमजीवी पत्रकारों को अपनी नियमित जांच की परिधि में विधिवत शामिल कर लें।

पटना के फ्रेजर रोड पर निर्मित भारतीय नृत्य कला केन्द्र के भव्य सभागार को स्व. पत्रकार कमल आनंद की स्मृति में नाम दिया गया था। इस त्रिदिवसीय अधिवेशन में यह भी निर्णय हुआ की आजाद भारत के इस प्रथम श्रमिक संस्था के 69वें संस्थापना दिवस का उत्सव भारत के अंतिम छोर कन्याकुमारी में 26-28 अक्टूबर 2018 को मनाया जाय। हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के त्रिधारावाले संगम स्थल पर पत्रकार-प्रतिनिधियों का संदर्शन भी आयोजित है। आई.एफ.डब्ल्यू.जे. की स्थापना 28 अक्टूबर 1950

को नई दिल्ली के जंतरमंतर पर हुई थी। जवाहरलाल नेहरू ने अपने वेतन से एक सौ रूपये का बैंक चेक दिया था। वे नेशनल हेरल्ड के संस्थापक अध्यक्ष थे।

पटना अधिवेशन केवल आठ माह (विगत 22 जनवरी 2018) के अंतराल के बाद ही 13 से 16 सितम्बर को हुआ था| जनवरी की बैठक का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष विजय चौधरी ने किया था | इस बार का उद्घाटन मोदी सरकार के **मंत्री श्री रामकृपाल यादव** ने किया। वे पटना के महापौर थे तथा उन्होंने लोकसभा निर्वाचन 2014 में लालू यादव की पुत्री मीसा भारती को हराया था। अपने भाषण में **श्री रामकृपाल यादव** ने आग्रह किया कि पत्रकारों पर अंकुश लगाना लोकतंत्र की हत्या के समान अपराध माना जाये। मुख्य अतिथि के तौर पर पटना शरीफ से पांच बार विधायक चुने गये और नीतीश काबीना के वरिष्ठ मंत्री श्री **नन्दकिशोर यादव** थे। बिहार में टोल टैक्स माफ करने का इस पथ निर्माण मंत्री का निर्णय बहुत अहम है। विपक्ष के नेता के रूप में नन्दकिशोर यादव ने लालू-राबडी यादव सरकार को कई बार डगमगाया था। वे बिहार भाजपा के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने पत्रकारों से अपनी आवाज स्वयं बनने की अपील की। सम्मेलन में चर्चा का खास विषय था : "क्लासरूम और व्यवहारिक पत्रकारिता"। इसमें पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी सिंह विशेष वक्ता थे। शिक्षाविद् डी.के. सिंह और प्रो०बी० प्रियम ने भी संबोधित किया। बिहार के विभिन्न पत्रकारिता शिक्षण संस्थान के प्राचार्यगण परिसंवाद में मौजूद थे। राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती उषा विद्यार्थी, पटना दूरदर्शन केन्द्र की निदेशिका रत्ना पुरकायस्थ और मशहूर लेखिका ममता मेहरोत्रा ने भी अपने विस्चार रखे। सभा के प्रारंभ में श्री अटल बिहारी वाजपेई, सम्पादक कुलदीप नायर और केरल राज्य की बाढ़ में मृत लोगों की याद में मौन श्रृद्धांजलि दी गई।

आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के विधि परामर्शदाता तथा उच्चतम न्यायालय के एडवोकेट-आन-रिकार्ड श्री **अश्वनी कुमार दुबे** ने अपने सम्बोधन में स्पष्ट कर दिया कि 2016-18 तक के आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के निर्वाचित पदाधिकारियों को दिल्ली-स्थित रजिस्ट्रार ऑफ ट्रेड यूनियन दो वर्ष पूर्व ही पंजीकृत कर चुका है। कुछ फर्जी लोगों ने दिल्ली कोर्ट द्वारा रजिस्ट्रार के विरूद्ध कदम उठाने की माँग की थी किंतु न्यायाधीश ने इस माँग को स्वीकार नहीं किया। श्री दुबे ने बताया कि आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के बैंक खाते चल रहे हैं। जबकि फर्जी संस्था का बैंक खाता देश में कहीं भी खुल ही नहीं पाया है।

भारतीय प्रेस काउंसिल के पुर्ननियुक्त अध्यक्ष तथा उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायामूर्ति श्री सी.के. प्रसाद ने यूपी राज्य सरकार को निर्दिष्ट किया है कि पंजीकृत पत्रकार संगठन के आंतरिक विवाद प्रेस काउंसिल के अधिकार क्षेत्र के बाहर हैं। यह मामला इस फर्जी संस्था ने प्रेस कॉउन्सिल में भी उठाया था। दिल्ली के पटियाला हाउस जिला कोर्ट में फर्जी संगठन ने मांग की थी कि आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के पटना अधिवेशन पर पाबंदी लगा दी जाए, मगर न्यायमूर्ति ने इसे खारिज कर दिया। आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय

पार्षद और प्रतिनिधियों हेतु त्रैवार्षिक मतदान अब समाप्ति की ओर है। राष्ट्रीय प्रतिनिधि अधिवेशन कर्नाटक में प्रस्तावित है।

अधिवक्ता **अश्वनी कुमार दुबे** ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि क्योंकि आई.एफ.डब्ल्यू.जे. राष्ट्रीय स्तर पर एक पंजीकृत ट्रेड यूनियन है, अतः उससे सम्बद्ध राज्य इकाईयों को पृथक रूप से पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिनिधि सभा में श्री अश्वनी कुमार दूबे के ओजस्वी भाषण की प्रशंसा में सारे प्रतिनिधियों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। कार्यवाहक प्रधान सचिव विपिन धूलिया ने संगठन की सदस्यता तथा इकाईयों के संबंध में रपट दी। कोषाध्यक्ष आर. पी. यादव ने राज्यवार सदस्यता शुल्क का विवरण दिया, जिसमें सभी 33 प्रदेशों और केन्द्र शासित प्रदेशों के नाम और जमा की गई कोटा राशि का विस्तृत उल्लेख था। बैंक की रपट भी पेश हुई|

कोलकाता में IFWJ की राज्य इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और इंडिया इनसाइड के ब्यूरो चीफ अमित रॉय ने विस्तृत विवरण दिया कि कैसे पुर्नगठित बंगाल यूनियन ने कई जनपदों और प्रकाशन केन्द्रों में इकाईयाँ गठित कर ली है। सदस्यों को याद है कि पश्चिम बंगाल में अध्यक्ष स्व. हिमाशु चटर्जी कोलकाता तक ही सीमित रहे थे। वस्तुतः 1988 के पश्चात् पहली बार कोलकता में, जहां भारत के सर्वप्रथम दैनिक (हिक्कीस गजट और उदंत मार्तंड) छपे थे, आज आई.एफ.डब्ल्यू.जे. का परचम लहरा रहा है। सीमावर्ती अरूणाचल तथा मेघालय से पुदुचेरी (तमिलनाडु की श्रीमती चंद्रिका के प्रयास के फलस्वरूप) तक और गुजरात में भी सशक्त इकाईयॉ गठित हो गई हैं। बिहार में 1973 से आई.एफ.डब्ल्यू.जे. का कोई भी अधिवेशन नही हुआ था| (केवल फरवरी 2009 में राष्ट्रीय अध्यक्ष के० विक्रम राव के निजी प्रयासों से आयोजित हुआ था| इसका उदघाटन मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने किया था)| यहाँ पिछले चार दशकों से आई.एफ.डब्ल्यू.जे. की कोई भी बैठक नहीं हुई थी। सुखद बात यह है कि गत सात महीनों में (22 जनवरी 2018 से) दूसरी बार पटना में गत माह ही अधिवेशन आयोजित हुआ है। इसका श्रेय प्रदेश अध्यक्ष डा० **ध्रुब कुमार**, प्रदेश महामंत्री **सुधीर मधुकर** और राष्ट्रीय सचिव **मोहन कुमार** को विषेश तौर पर जाता है। यह त्रिमूर्ति उत्कृष्ट संगठनकर्ता भी है|

पुर्नजीवित तमिलनाडु इकाई गत दो वर्षों के अंतराल में दूसरी बार सम्मेलन (कन्याकुमारी में) आयेजित करा रही है। आंध्र मीडिया फेडरेशन के नये अध्यक्ष श्री पी० दिल्लीबाबू रेड्डी ने धर्मस्थल तिरूपति में जनवरी में राष्ट्रीय अधिवेशन प्रस्तावित किया है। साथी अरविन्द अवस्थी ने विधान सभा निर्वाचन के बाद छत्तीसगढ़ में ढाई वर्ष में तीसरी बार आई.एफ.डब्ल्यू.जे. अधिवेशन की तैयारी कर दी है। स्थल भी बड़ा आकर्षक है। रायपुर के निकट चम्पारण वन क्षेत्र है जहाँ पूज्य वल्लभाचार्य का जन्म हुआ था। जयपुर और जैसलमेर में सफल सम्मेलन आयोजित कर साथी उपेन्द्र सिंह राठौड़ ने फिर उदयपुर का निमंत्रण दिया है। तारीख विधान सभा निर्वाचन के बाद तय होगी। उत्तराखंड में प्राइम न्यूज चैनल के प्रमुख

और देवभूमि पत्रकार यूनियन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष **संजय श्रीवास्तव** और महामंत्री **प्रदीप फुटेला** ने अगली वसंत ऋतु में कुमायूँ में वर्किंग कमेटी की बैठक को सुझाया है। इस सन्दर्भ में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय अध्यक्ष **विक्रम राव** मिल भी चुके हैं।

पटना सम्मेलन के अंतिम दिन अपने प्रभावी सम्बोधन में आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के अध्यक्ष ने देश के श्रमजीवी पत्रकारों द्वारा राष्ट्रव्यापी एकजुटता सृजित करने का आहवान किया। आई.एफ.डब्ल्यू.जे. से 1973 में टूटकर एन.यू.जे. बना था। अब यह भी दो भागों में विभाजित होकर कलकत्ता के **प्रज्ञान चौधरी** तथा चंडीगढ के **अशोक मलिक** की अलग अध्यक्षता में है। भारतीय प्रेस काउंसिल ने एन.यू.जे. का नामांकन निरस्त कर दिया है। इसी भांति 1990 में आई.एफ.डब्ल्यू.जे. से अलग होकर बनाये गये आई.जे.यू. का भी बंटवारा हो गया है। हरियाणा (के०बी० पंडित) और दिल्ली (एस.एन. सिन्हा) के गुटों में वह विभाजित हो गया है। इन दोनों की अब दिल्ली में कोई स्थानीय इकाई नहीं रही है। पटियाला हाउस जिला कोर्ट में उनका मुकदमा चल रहा है। उधर दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट ने आई०जे०यू० से अलग होकर केरल और आंध्र के कुछ लोगों को जुटाकर पृथक नेशनल एलांयस ऑफ जर्नलिस्ट का गठन किया है। यह चौथा संगठन है। साथी **के. विक्रम राव** ने इन सभी से अपील की कि वे सब मातृ संस्था आई.एफ.डब्ल्यू.जे. में वापस लौट आयें। इससे राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार आंदोलन मजबूत होगा, संगठन अखंड बनेगा और अखबार की आजादी तथा पत्रकारों की सुरक्षा सुदृढ़ होगी।

विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ.

आपका साथी

(विपिन धूलिया)
कार्यवाहक प्रधान सचिव : आई०एफ०डब्ल्यू०जे०

कन्याकुमारी में हीरक जयंती उत्सव

वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ़ तमिलनाडु (W.J.U.T.) ने तेनकाशी तथा पहाड़ी झरनेवाली मनोरम घाटी कुट्रलम तथा सागर छोर पर टिके कन्याकुमारी द्वीप में IFWJ की राष्ट्रीय परिषद् का त्रिदिवसीय 130वां सम्मेलन 26-28 अक्टूबर 2018 को आयोजित किया है। प्रदेश अध्यक्ष एंटोनी जे० सगयराज, महासचिव सोलोमन मोहनदास, उपाध्यक्ष जी० परमशिवम एवं बी० प्रदीप कुमार और राष्ट्रीय सचिव श्रीमती आर० चन्द्रिका की महती भूमिका है | यहाँ देशभर के 500 प्रतिनिधि आमंत्रित हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय पार्षद IFWJ के 75वें स्थापना दिवस (हीरक जयंती उत्सव) मनाएंगे। विवेकानन्द स्मारक के दर्शन के बाद समीपस्थ तिरुअनन्तपुरम (केरल की राजधानी) में पद्मनाभ मंदिर में शेषाशायी विष्णु, रामेश्वरम और मदुराई मीनाक्षी की तीर्थयात्रा भी करेंगे।